ये अव्यक्त इशारे

स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा योग की शक्तियों का प्रयोग करो

22-10-2025

योग का प्रयोग अर्थात् अपने शुद्ध संकल्पों का प्रयोग तन पर, मन पर, संस्कारों पर अनुभव करते आगे बढ़ते जाओ। इसमें एक दो को नहीं देखो। यह क्या करते, यह नहीं करते,पुराने करते वा नहीं करते, यह नहीं देखो। पहले मैं इस अनुभव में आगे आ जाऊं क्योंकि यह अपने आन्तरिक पुरुषार्थ की बात है। जब ऐसे व्यक्तिगत रूप में इसी प्रयोग में लग जायेंगे, वृद्धि को पाते रहेंगे तब एक एक के शान्ति की शक्ति का संगठित रूप में विश्व के सामने प्रभाव पड़ेगा।

Experiment on yourself and others with your mind with the powers of yoga.

The experimentation of yoga means to experiment and see the effects of your pure thoughts on your body, mind and sanskars, and you will then continue to move forward. In this, do not look at one another. "What is this one doing? This one is not doing this! Are the older ones doing this or not?" Do not look at these things. First of all, experience this effect because this is a matter of personal effort. When you busy yourself in making personal effort in this way and you experience growth in yourself, then the collective power of the silence of each one will make an impact on the world.